# बी.ए. तृतीय वर्ष
## संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य
### प्रथम पत्रःसंस्कृत व्याकरण अनुवाद एवं रचना

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**Answer any three questions of the following.**

1. निम्नांकित में से किन्हीं पांच सूत्रों की व्याख्या कीजिए–
   हुझसहाद्भिर्हैः, तुरूस्तुभ्यो वा शिति, द्यादौ वा त्वात्मने, णबादौ वा, दधातेस्तथोश्च, मिदेर्यनि, ज्ञाजनोर्जाः।
2. किन्हीं पांच पदों की रूपसिद्धि कीजिए–
   उवाच, अत्ति, जघसिथ, अधीतः एति, अजागः, जघान, भविष्यति।
3. निम्नलिखित में से किसी एक धातु के रूप दसो लकारों में लिखों–
   अद् अथवा दुह् धातु
4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें–
   भवादिगण और अदादिगण
   जुहोत्यादिगण
   सम्प्रसारण किसे कहते हैं।
5. (क) लोट् लकार (तुबादि) एवं लिट्लकार (णवादि) का परिचय दीजिए।
   (ख) सार्वधातुक, कर्मवाच्य, भाववाच्य, ह्रस्व, दीर्घ।

6. निम्नलिखित में से पांच सूत्रों की व्याख्या कीजिए–
   क्रयादेर्नाः, हनो ञिणति घात्, अडि.पिबः पीप्य्, सनि, यड्.लुको बहुलम्, नश्तेर्यडि., राल्लोपः।

7. पांच धातु रूपों की सिद्धि कीजिए–
   तनुवः आर्णिष्ट, ममौ, पुनीते, श्राणयति, प्राथयति, कण्डूयति, धवति, गमयति।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें–
   सन्नन्त प्रक्रिया, चुरादिगण, क्रयादिगण, ञिन्नन्त प्रक्रिया

9. (क) यथानिर्दिष्ट रूप लिखें–
   भू + णवादि, ग्रहनश् + सन्, स्यदादि, गम् + यड्. तिवादि
   (ख) नु और ना प्रत्यय करनेवाला सूत्र लिखें
   इट् प्रत्यय करनेवाला सूत्र लिखे।
10. (क) अनुष्टुप् छन्द का लक्षण लिखते हुए उसका उदाहरण लिखें।
    (ख) दो श्लोक लिखकर उस पर मात्रा को दर्शाओ।

11. निम्नांकित किन्हीं पांच पदों की रूपसिद्धि कीजिए–
    अघसत्, ईयतुः, ऊचूः, जघान, सुन्वन्ति, अदिक्षत्, रुन्धते।
12. किन्हीं पांच सूत्रों की पूर्ति करते हुए उन्हीं का सोदाहरण अर्थ लिखिए–
13. अदो घस्लृ.....। 2. .....शितः।

14. ईडीशः .....। 4. स्वरादे.....।

15. ऊतः .....। 6. मस्जे.....।

16. निर्दिश्ट किसी पांच धातु का रूप लिखिए–

अदक्–तिबादि, हन्–द्यादि, वचंक–तुबादि, शूड.च्–द्यादि, नश्–स्यदादि, भ्रमुच्–तादि।

17. निम्न सूत्रों में से किन्हीं पॉच सूत्रों की व्याख्या कीजिए–

इणो योऽपिति, अन्तो नो लोपः, जागुर्णिणपोः, वशेरयडि., शीड्. एः शिति, ब्रुवः पंचानां पंचाहश्च

18. टिप्पणी लिखें–

1. अदादिगण की विशेशता।
2. सम्प्रसारण करने वाले सूत्र लिखें।
3. यन् प्रत्यय होने पर गुण वृद्धि क्यों नहीं होती।
4. रुधादिगण

19. पांच पदों की रूपसिद्धि करें–

तनोति, चिक्राय, पविता, चकार, बोभोति, अमोशीत, अर्कयति।।

20. पाँच सूत्रों की पूर्ति करते हुए सोदाहरण अर्थ लिखिए–

गृह्णोऽणबादौ.....। श्रन्थग्रन्थो.....। न बदनाः .....।

.....पुक्। .....यक्। रूहः .....।

21. पांच धातुओं के रूप निर्देशानुसार लिखें–

भू + णबादि। मन्तु–तिबादि। गम्+यड्–तुबादि। पां +श्नि– दिबादि। ग्रह्नश् + सन्–स्यदादि। ज्ञांश्–क्यादादि।

22. निम्नलिखित की विशेशताएं बतलाइए–

क्रयादिगण, सन्नन्त प्रक्रिया, ञिन्नन्त प्रक्रिया, कण्ड्वादिगण, चुरादिगण।

23. 1. इट् प्रत्यय करने वाले सूत्र लिखें।

2. नु और ना प्रत्यय करनेवाला सूत्र लिखें।

24. अनुश्टुप् छन्द का लक्षण लिखते हुए उदाहरण से समझाइए।

# बी.ए. तृतीय वर्ष
# संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य
# प्रथम पत्र : संस्कृत व्याकरण अनुवाद एवं रचना

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**Answer any three questions of the following.**

1. निम्नांकित में से किन्हीं दस सूत्रों का अर्थ लिखिए–

अनुदात्तङित आत्मनेपदम्, स्वरितञितः कर्त्रभिप्राये क्रियाफले, कर्तरि शप्, अतोदीर्घो यञि, झोऽन्तः, सार्वधातुकाऽर्धधातुकयोः, लिटिधातोरनभ्यासस्य, अभ्यासेचर्च, स्यतासी लृलुटोः, लुटः प्रथमस्य डारौरसः, सेर्ह्यपिच्च, यासुट् परस्मैपदेषूदात्तो ङिच्च, लिङः सलोपोऽनन्त्यस्य,लोपोब्योर्वलि।

2. निम्नलिखित में से दस क्रियापदों को सिद्ध करें–

भवन्ति, भवसि, भवेतम्, पठतु, सेवेत, असेविष्ट, बभूव, गोपायाञ्चकार, जुगोप, अत्ति, गन्ता, जगाम।

3. निम्नलिखित धातुओं के रूप लिखें–

गम् धातु दसों लकारों में या अद् धातु दसों लकारों में

4. लृट् लकार एवं लिट् लकार का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर टिप्पणी लिखें–

कर्त्तृवाच्य, अभ्यास संज्ञा, सार्वधातुक, आर्धघातुक, लघु, दीर्घ, लोटलकार, कर्मवाच्य।

6. रचनानुवाद कौमुदी के अभ्यास 40 के वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

7. परोपकारः, संस्कृतशिक्षायाः महत्वं में से किहीं एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।

8. निम्नलिखित में से दस सूत्रों की व्याख्या कीजिए –

आम्प्रत्ययवत् कृञोऽनुप्रयोगस्य, लिटस्तझयोरेशिरेच्, सुट् तिथोः, लिङः सीयुट्, ह्रस्वादङ् गात्, अदिप्रभृतिभ्यः शपः, असिद्धवदत्राऽऽभात्, लिङ्सिचावात्मनेपदेषु, ब्रुव ईट्, सिचि च परस्मैपदेषु, तनादिभ्यस्तथासो, लिङ्सिचोरात्मनेपदेषु।

9. दस शब्दों की रूपसिद्ध कीजिए–

भोग्यम्, जुष्यः, अपजानीते, गृहाण, पुनाति, चिक्राय, कुर्यात्, अतनिष्ट, अहिनत्, रूणद्धि, गिलति, इयेष, असावीत्।

10. कृदनत और तद्धित में क्या अन्तर है?

11. 'रूधादिगण' की किसी एक धातु के रूप दसों लकारों में लिखें।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों की व्याख्या कीजिए।

वाऽसरूपोऽस्त्रियाम्, तयोरेव कृत्यक्त खलर्थाः, ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, शास इदङ्हलोः,ण्वुल्तृचौ, युवोरनाकौ, क्विप् च।

13. रचनानुवाद कौमुदी के पाठ 55 के वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करो।

14. स्त्री शिक्षा या सत्संगतिः विषय पर संस्कृति में निबन्ध लिखो।

15. लः परस्मैपदम्, तङानावात्मनेपदम्, तिङ्शित् सार्वधातुकम्, सार्वधातुकऽऽर्धधातुकयोः, अतोदीर्घो यञि, लिटिधातोरनभ्यासस्य, अभ्यासे चर्च, आर्धधातुकस्येड् वलादेः, स्यतासी लृलुटोः, आर्धधातुकं शेषः।

16. निम्नलिखित क्रियापदों को सिद्ध करें–

भवतः, भवामि, पठतम्, भविता, सेवेयाताम्, असेविश्ट, ननाद, अभवत्, गोपयाम्बभूव, अहार्शीत्।

17. निम्नलिखित धातुओं के रूप लिखिए–

भूधातु–आशीर्लिङ्, लिट्। वद् धातु–लृट्, लुङ्। पा धातु–विधिलिंग, लङ्।

18. लोट् लकार एवं लङ् लकार का परिचय दीजिए।

19. टिप्पणी लिखिए–

सार्वधातुक, आर्धधातुक, कर्मवाच्य, भाववाच्य, दीर्घ, गुरु,ह्रस्व, अभ्यास, घुसंज्ञा, अंग।

20. रचनानुवाद कौमुदी के अभ्यास 45, 46 के 'संस्कृत बनाओ' भाग का अनुवाद कीजिए।

21. किन्हीं दो विशयों पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए–

सत्संगति, संघे शक्तिः कलौ युगे, स्त्रीशिक्षायाः आवश्यकता।

22. लघुसिद्धान्त कौमुदी के निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –

माङि.लुङ्., आडजादीनाम्, पुगन्तलघूपधस्य च, अत उपधायाः, सार्वधातुकमपित्, टित आत्मनेपदानां टेरे, लिटस्तझयोरेशिरेच्, स्वादिभ्यः श्नुः,शे मुचादीनाम्, सन्यङोः।।

23. निम्नांकित शब्दों की रूपसिद्ध कीजिए–

स्थापयति, अबीभवत्, बुभूशति, चिकीर्शति, अभावि, एधितव्यम्, पचेलिमा, स्नानीयम्, चेयम्, मृज्यः।

24. कृत और तिङ् प्रत्ययों में क्या अन्तर है? स्पश्ट करें।

25. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए–

तत्प्रयोजको हेतुश्च, स्वतन्त्रः कर्ता, सुपो धातु प्रातिपदिकयोः, सार्वधातुके यक्, चिण् भावकर्मणोः, लट्स्मे, युवोरनाकौ, स्त्रियां क्तिन्, नपुंसके भावेक्तः, हलश्च।

26. भूतकाल और भविश्यकाल के अर्थ में किन–किन लकारों का प्रयोग होता है। वर्णन कीजिए।
27. रचनानुवाद कौमुदी के संस्कृत बनाओ अभ्यास 56 का अनुवाद कीजिए।
28. किसी एक विशय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए– आचार्य देवो भव, मानवजीवनस्योद्देश्यम्

# बी.ए. तृतीय वर्ष
# संस्कृत : व्याकरण एवं साहित्य
# द्वितीय पत्र–काव्य, कोश एवं इतिहास

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**Answer any three questions of the following.**

1. कुमार संभव के प्रथम 50 श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें।
2. कुमार संभव के आधार पर पार्वती की तपः साधना का वर्णन करें।
3. शुकनासोपदेश के किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें।
4. शुकनास के द्वारा दिए गये उपदेश का वर्णन कीजिए।
5. अश्रुवीणा के प्रथम पचास श्लोकों में से चार श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें।
6. अश्रुवीणा के काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।
7. अभिधान चिन्तामणि के छठे कांड से 130से 140 श्लोकों को लिखकर उसका अर्थ लिखिए।
8. नाटक साहित्य का परिचय देते हुए भवभूति के नाटकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
9. उपनिषद् शब्द का क्या अर्थ है? वर्णन करते हुए प्रमुख उपनिषदों का परिचय दीजिए।
10. कुमार संभव के पांचवे अंक के पचास श्लोक के बादके किन्हीं चार श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
11. रामायण या महाभारत का सांस्कृतिक मूल्य लिखें।
12. संस्कृत साहित्य के वैदिक साहित्य पर प्रकाश डालें।